

## MSRVVP-CSR निधि हेतु निवेदन

### महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान (MSRVVP)

- भारत सरकार ने शिक्षा मंत्रालय संकल्प पत्र संख्या एफ. 6-3/85- संस्कृत- IV दिनांक 30 मार्च 1987 द्वारा वेद अध्ययन की श्रुति / मौखिक परंपरा को संरक्षित, संवर्धित एवं विकसित करने के उद्देश्य से पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 की XXI) के तहत वर्ष 1987 में स्मरणपत्र और नियमों (MoA and Rules) के पंजीयन सं S-17451 के साथ राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान नामक संस्था का गठन किया।
- प्रतिष्ठान के स्मरणपत्र और नियमों के अनुसार संपूर्ण भारत में पारंपरिक वेद पाठशालाओं, वेद संस्थानों और वेद विद्वानों की सहायता, अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति प्रदान करना, पाठशालाएं, गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयाँ चलाना, उनकी परीक्षाएँ जैसे वेद भूषण, वेद विभूषण आदि चलाना, वेद अध्यापन में प्रशिक्षण प्रदान करना, वेद गुरु प्रशिक्षण आयोजित करना, वेद प्रचार गतिविधियों सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला आदि को बढ़ावा देना, वेद शोधकार्य का प्रोत्साहन करना आदि।
- महर्षि सान्दीपनि, जिन्होंने द्वापर युग में उज्जयिनी में अपने गुरुकुल की स्थापना कर भगवान श्रीकृष्ण को समस्त वैदिक ज्ञान प्रदान किया था, उनके स्मरण में, शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या F. 6-21/92-संस्कृत-2 दिनांक 24.12.1993 द्वारा भारत के राजपत्र के खंड-1, अनुभाग-1 में प्रकाशित कर, राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान का नाम महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान (MSRVVP) के रूप में, नई दिल्ली से उज्जैन में स्थानान्तरण के बाद परिवर्तित किया गया।
- ऋग्वेद के 21 शाखाएं, यजुर्वेद के 101 शाखाएं, सामवेद के 1000 शाखाएं और अथर्ववेद के 9 शाखाएं, कुल मिलाकर 1131 शाखाएं महर्षि पतंजलि के समय में सस्वर वेद पाठपरंपरा में थे। समय के साथ, इन शाखाओं की बड़ी संख्या विलुप्त हो गई और वर्तमान में केवल 9-10 शाखाएं, अर्थात् ऋग्वेद में 1, यजुर्वेद में 4, सामवेद में 3 और अथर्ववेद में 2 शाखाएं सस्वर वेद पाठ परंपरा में बचीं हैं। इन 9-10 शाखाओं के संबन्ध में भी, ऐसे बहुत कम प्रतिनिधि सस्वर वेदपाठी बचे हैं जो अपने विशुद्ध प्राचीन और पूर्ण रूप में मौखिक / सस्वर वेद पाठ / वेद ज्ञान परंपरा को संपूर्ण संरक्षित रख रहे हैं।
- UNESCO ने वेदपाठ की श्रुति परम्परा को वैश्विक धरोहरों में गणना की है। वेदों के उच्चारण को अमूर्त विरासत की सूची में (World Intangible Heritage) - यूनेस्को- मानवता की सांस्कृतिक विरासत/विश्व मौखिक विरासत में-मान्यता मिली है। 1987 से ही वेदों की सस्वर पाठ परंपराओं के संवर्धन, संरक्षण एवं विकास हेतु प्रतिष्ठान समर्पित है, निरन्तर कार्य कर रहा है, सस्वर वेद शिक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर निरन्तर योगदान दे रहा है।
- वर्ष 1987 से 1997 तक सस्वर वेद पाठपरंपराओं के संरक्षण एवं विकास हेतु ढांचा तैयारी के बाद, 1997 से लेकर लगातार प्रति वर्ष प्रतिष्ठान द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सस्वर वेद परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। अभी तक लगभग 40,000 छात्र प्रतिष्ठान के पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण हो चुके हैं। सस्वर वेद एवं वैदिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

- प्रतिष्ठान, भारत सरकार द्वारा नियन्त्रित स्वायत्त-शासी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्था है, वेदपाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों में सस्वर वेद की शिक्षा में इच्छुक सभी के लिए खुला है। नये पाठ्यक्रम शुरु करने की भी योजनाएं हैं। सुविधानुसार आन-लाईन द्वारा वेद ज्ञान संवर्धन कार्यक्रम किये जायेंगे।
- वर्तमान में प्रतिष्ठान द्वारा देशभर में लगभग 137 सस्वर वेदपाठशालाएं एवं 342 सस्वर गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयां हैं, इनमें अध्ययनरत लगभग 7000 छात्रों की “वेदभूषण” एवं “वेदविभूषण” की परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। [www.msrvvp.ac.in](http://www.msrvvp.ac.in) में समय समय पर अद्यतन सूची देखी जा सकती है।
- प्रतिष्ठान की गतिविधियों का संचालन महासभा, शासी परिषद्, वित्त समिति, परियोजना समिति, शैक्षिक समिति एवं परीक्षा समिति द्वारा किया जाता है।

### **Corporate Social Responsibility**

- Eradicating hunger, poverty and malnutrition, promoting health care including preventive health care sanitation, promotion of sanitation and making available safe drinking water.
- Promoting education, including special education and employment enhancing vocation skills especially among children, women, elderly and the differently-abled and livelihood enhancement projects.
- Promoting gender equality, empowering women, setting up homes and hostels for women and orphans; setting up old age homes, and such other facilities for senior citizens
- Ensuring environmental sustainability, ecological balance, protection of flora and fauna, animal welfare, agro-forestry, conservation of natural resources and maintaining the quality of soil, air and water
- Protection of national heritage, art and culture, works of art; setting up public libraries; promotion and development of traditional arts and handicrafts;
- Training to promote rural sports nationally recognized sports and Olympic sports;
- Rural development projects.
- Disaster management, including relief, rehabilitation and reconstruction activities

उक्त सभी शीर्षकों में CSR निधि द्वारा वेद के भी कार्य किये जा सकेंगे। इन सभी शीर्षकों का वेद, वेद ग्रन्थालय, वेद के पांडुलिपि संरक्षण, वेदपाठियों का कल्याण-कार्य, वैदिक संग्रहालय की स्थापना, समय समय पर वेदपाठशालाओं, गुरुशिष्य परंपरा इकाइयों का अनुदान, अन्य आधुनिकीकरण व्यवस्था का संबन्ध होगा।

### वेदपाठशालाओं / गुरुशिष्य परंपरा इकाइयाँ चलाने, वेद शिक्षा एवं वेद प्रसार के लिये - CSR निधि

- CSR कोष से भी निधि प्राप्त कर वेदपाठशालों/गुरुशिष्य परंपरा इकाइयाँ/राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय योजना चलाने हेतु / वेद शिक्षा का संचालन हेतु भोजन, आवास, रखरखाव आदि हेतु आर्थिक सहायता देना एवं उनमें आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं –भवन, ग्रन्थालय, प्रोजेक्टर, शुद्ध पेय जल फिल्टर, कम्प्यूटर, बेंच, टेबल, ई-क्लास रूम, प्रवाह स्थिति में वेद विद्यालयों को CSR कोष से सहायता प्रदान करना
- प्रतिष्ठान के आन्तरिक स्रोत से अनुदान के अतिरिक्त, देश के प्रत्येक राज्य में वेद के लिए जन जागृति अभियान एवं सस्वर वेद शिक्षा के प्रचार, प्रसार हेतु सम्मेलन, वेद सप्ताह, वेद पारायण आदि जो भारतीय सांस्कृतिक धरोहर हैं, उन के आयोजन, प्रचार, प्रसार हेतु CSR कोष से आर्थिक सहायता देना
- CSR निधि से वेद के छात्रों का विविध कौशल विकास द्वारा नाना उद्योग के अनेक अवसर प्रदान करना, कौशल पूर्वक कार्य के अनेक सामर्थ्य एवं अवसरों की व्यवस्था करना, आर्थिक सहायता देना
- CSR निधि से आर्थिक सहायता प्राप्त कर ऋषियों द्वारा दृष्ट वेद में विद्यमान वैज्ञानिक ज्ञान के प्रति जन जागृति उत्पन्न करना एवं वेद के प्रचार, प्रसार हेतु विविध वैदिक ज्ञान परक पुस्तक प्रकाशन करना
- ऋषियों द्वारा दृष्ट वेद के प्रति समस्त राज्यों में, जन मानस में सच्ची श्रद्धा एवं जागृति उत्पन्न करना
- CSR निधि से आर्थिक सहायता प्राप्त कर प्रत्येक राज्य में वैदिक संस्कृति संग्रहालय की स्थापना करना
- CSR निधि से आर्थिक सहायता प्राप्त कर गोशाला निर्माण करना एवं वैदिक कृषि पद्धति, जल संरक्षण आदि पर वेद के छात्रों का कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण देना
- CSR निधि से आर्थिक सहायता प्राप्त कर वैदिक ग्राम विकास परियोजना हेतु प्रशिक्षण देना
- वैदिक वनौषधि उद्यान एवं वेद के छात्रों का वनौषधि ज्ञान अनुप्रयोग कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण देना
- वृद्ध वैदिकों के लिए वृद्ध- वेद पाठी आश्रम की व्यवस्था / दिव्यांग वेद पाठी सहायता व्यवस्था एवं उसे CSR निधि से आर्थिक सहायता प्रदान करना

## अध्यापक एवं अन्य के कल्याण कार्य/ रोग निवारण हेतु CSR कोष से सहायता निधि

- प्रतिष्ठान से अनुदानित वेदपाठशालों/गुरुशिष्य परंपरा इकाइयों में सेवा काल में अध्यापकों को किसी भी प्राण हानि होने की स्थिति /गंभीर- बीमारी (लिवर, हृदय, किडनी, गला,फेफड़े, ब्रेन ट्यूमर, कोई भी केन्सर, सिरोसिस आदि ) की स्थिति में रु. 50 हजार तक एक बार चिकित्सा हेतु तुरन्त सहायता प्रदान करना
- प्रतिष्ठान से अनुदानित अध्यापकों के आश्रितों को किसी भी उच्च शिक्षा हेतु/ मेधावी सस्वर वेद विद्यार्थियों को सस्वर वेद में राष्ट्रीय आकांक्षा के अनुरूप अन्य आधुनिक विषयों के साथ नियमित उच्च शिक्षा में प्रवेश हेतु धनराशि के अभाव के कारण वंचित हो जाने की स्थिति में (उच्च शिक्षा में प्रतिष्ठान की परीक्षा के आधार पर प्रवेश प्राप्त कर वेद विद्यार्थी फीस स्वयं भरने में असमर्थ हो तो) रु 15 हजार से 20 हजार तक एक बार सहयोग राशि प्रदान करना
- प्रतिष्ठान से सेवा निवृत्त अध्यापक,यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हो जाने की स्थिति में कष्टप्रद पारिवारिक स्थिति (अन्य आर्थिक स्रोत के अभाव में ) को देखते हुए रु 40 हजार से 50 हजार तक एक बार चिकित्सा हेतु तुरन्त सहयोग राशि प्रदान करना
- प्रतिष्ठान से अनुदानित वेदपाठशालाओं/गुरुशिष्य परंपरा इकाइयों के अध्यापक की सेवा काल में आकस्मिक निधन हो जाने पर उनके कष्टप्रद पारिवारिक स्थिति (अन्य आर्थिक स्रोत के अभाव में ) को देखते हुए रु. 1 लाख तक एक बार तुरन्त सहयोग राशि प्रदान करना
- प्रतिष्ठान से सम्बद्ध एवं वेद सेवा में जुड़े समस्त प्रतिष्ठान कर्मियों की गंभीर बीमारी के कारण आपात की स्थिति में रु. 50 हजार तक एक बार सहयोग राशि प्रदान करना एवं आकस्मिक निधन हो जाने पर उन के कष्टप्रद पारिवारिक स्थिति (अन्य आर्थिक स्रोत के अभाव में ) को देखते हुए रु 1 लाख तक एक बार तुरन्त सहयोग राशि प्रदान करना

प्रतिष्ठान की शासी परिषद् द्वारा CSR Rules अंगीकृत हैं। तदनुसार CSR निधि में सहयोग राशि प्रदान हेतु वेद शिक्षा के संचालन में समर्पित कम्पनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ कम्पनी के निदेशकों/समाज के धन दाता महानुभावों के समक्ष विनम्रता पूर्वक निवेदन प्रस्तुत है।

उपर्युक्त उद्देश्यों के लिए (जो कम्पनी कानून में सामान्यतः निर्दिष्ट हैं) प्राप्त CSR सहयोग निधि से राशि खर्च किये जायेंगे। CSR निधि प्रबन्धन एवं सहायता राशि स्वीकृति तथा जारी करने के लिए CSR नियम में एक समिति निर्दिष्ट है उस समिति के समक्ष सभी प्रकरण प्रस्तुत किये जायेंगे। समिति की स्वीकृति से ही सहायता राशि प्रदेय होगी।

**सम्माननीय महोदय!**

किसी भी विदेशी स्रोत से विदेशी मुद्राओं / विदेशी स्रोत द्वारा रुपये में सहायता राशि लेने हेतु अद्यतन नियम में प्रतिष्ठान कतई अधिकृत नहीं है। प्रतिष्ठान भारत सरकार द्वारा स्थापित स्वायत्त-शासी राष्ट्रीय शैक्षिक संस्था है, इसलिए केवल भारतीय नागरिक एवं भारतीय कंपनियों से/भारतीय कंपनियों के स्रोत से ही CSR सहायता राशि रूपया में ही प्रतिष्ठान की निर्दिष्ट बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक ट्रान्सफर द्वारा /ड्रफ्ट द्वारा जमा हो सकती है।

**सम्माननीय महोदय!**

आप MSRVVP-CSR सहायता निधि प्रदान करने में यदि इच्छुक हैं तो राशि प्रदान करने से पूर्व, सहायता राशि प्रदान करने की अपनी इच्छा को ई-मेल/ लिखित रूप में [msrvvpujncsr@gmail.com](mailto:msrvvpujncsr@gmail.com) पर आगे दर्शाए गये विवरण के साथ प्रतिष्ठान को अवश्य सूचित करें। आपसे ई-मेल से ही पर संपर्क कर CSR सहायता निधि हेतु प्रपत्र भेजा जायेगा। इस सन्दर्भ में सिर्फ लिखित कम्युनिकेशन होगा।

Name of the Company/Person	
Aadhaar No (If person)	
Citizenship (Indian only)	
Registration No (If Company)	
Address	
Mobile	
Email	
Amount in rupees you desire to donate for MSRVVP-CSR Fund) :	
Purpose for which the CSR Donation is made: - (Veda Education/promoting health care of Veda Gurus etc including preventive health care etc.)	

[Note: विदेशी स्रोत से /विदेशी नागरिक से विदेशी मुद्राओं / विदेशी स्रोत द्वारा रुपये में सहायता राशि दान देने हेतु यदि कोई इच्छुक हैं, वे भी ई-मेल द्वारा सभी विवरण के साथ प्रतिष्ठान को अपना मन्तव्य लिख सकते हैं । समिति में चर्चा के बाद, भारत सरकार के संबद्ध मंत्रालयों की पूर्व जांच एवं स्वीकृति के बाद ही इस विषय में FCRA के अन्तर्गत निर्णय होगा।]

**Item No.5: Approval of Corporate Social Responsibility (CSR) Funding Rules framed by MSRVVP for promotion of Veda related activities**

Governing Council approved the Corporate Social Responsibility (CSR) Funding Rules of MSRVVP for promotion of Veda related activities.

The Secretary, MSRVVP has been authorized to take further action in this regard.

MSRVVP CSR RULES

Page 1 of 13

**Item No.5: Approval of Corporate Social Responsibility (CSR) Funding Rules framed by MSRVVP for promotion of Veda related activities**

In the meeting taken by the Secretary, Department of Higher Education, Ministry of Human Resource Development, in New Delhi on 4-5-2018 to review the functioning of all the Language Institutions of Higher Education, Secretary (HE) had suggested to explore the possibility of CSR funding for the promotion of Veda, support to Pathashalas receiving grant from MSRVVP. Minutes of the said meeting is placed as **Annexure - IV**. As per Action Point No. 8 of the said Minutes of the meeting, draft rules for acceptance, management and utilization of CSR Funds have been framed and a copy of the same is placed as **Annexure- III** for approval of the Governing Council.

As per existing provision 4(i-a) of the Memorandum of Association (MoA) of the Pratishthan, MSRVVP is competent **"to receive grant-in-aid from the Central Government, State Government and other sources, for all or any of the activities, programmes, schemes, purposes etc. of the Pratishthan"**. A copy of the MoA is placed as **Annexure - V**.

The draft rules are placed before the Governing Council for approval.



(Rules prepared as per the directions of, Secretary, Dept of Higher Education, M/o HRD, Govt. of India, in pursuance to the action Point no.8 emerged in the meeting held on 4.5.2018 and the minutes communicated thereon.)

\*\*\*\*\*

## MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN

Rules for acceptance, management and utilization of CSR Funds for Promotion of Vedas

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान को वेद प्रसार एवं प्रचार हेतु

कम्पनियों के सामाजिक उत्तरदायित्व निधि से प्राप्त राशि के उपयोग के नियम

(Placed for approval of Governing Council in its meeting held on 11.01.2019)

### 1. SHORT TITLE

- 1.1 These rules may be called Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan's **CSR Funds (Acceptance, Management and Utilization) Rules for Promotion of Vedas.**(In short – MSRVVP, CSR Rules)
- 1.2 These Rules shall extend to the whole of India.
- 1.3 These Rules shall be operated by the Governing Council of the MSRVVP through the Management Committee constituted under these rules and the Secretary of the MSRVVP, Ujjain.

### 2. DEFINITIONS

2. In these Rules unless the context otherwise requires:-
  - 2.1 **“CSR Funds (Acceptance, Management and Utilization) Rules for Promotion of Vedas”** means the Rules approved by the Governing Council applicable to the Fund created by MSRVVP out of contributions received from Corporate Social Responsibility Budget of various companies as per Company Act or any other act as applicable for the purpose of Promotion of Vedas.
  - 2.2 **“CSR Fund Management Committee”** means the CSR Fund Management Committee constituted by the Governing Council of the MSRVVP for management of Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan's CSR Fund.
  - 2.3 **“Fund”** means the corpus of CSR Fund created with the contribution from CSR Funding received from various Companies as well as voluntary donations and endowments from any other non-govt. sources for the purpose of this fund. This fund shall NOT have any Grant-in-aid received from Govt. sources/Consolidated Fund of India.

A separate Bank account shall be opened in the name of “MSRVVP-CSR Fund” in a nationalized bank. The Governing Council of MSRVVP shall be the custodian of the corpus of the CSR Fund with its power delegated to CSR-Fund Management Committee for its day to day management.

- 2.4 **“Veda Pathee”** means any Veda Pathee who can recite any of the Veda Samhita-s by heart or Vikriti Patha of any of the Vedas or who has contributed significantly for the promotion and propagation of oral tradition of Vedas.
- 2.5 For the purpose of giving financial assistance, the word **“Veda Pathee”** will also include any junior and sub-junior Veda pathees undergoing study for the preservation of oral tradition of Vedas/Vedavidya.
- 2.6 **“Secretary”** means the Secretary of the Pratishtan
- 2.7 **“Ministry”** means Ministry of Human Resource Development, Govt of India or the Ministry under which MSRVVP works.
- 2.8 **“Accountant”** means the Accountant so designated in MSRVVP responsible for the proper maintenance of its accounts
- 2.9 **“DDO”** means the Drawing & Disbursing Officer of the MSRVVP designated as such by order.
- 2.10 **“Event or Competition on Vedas”** means Veda Mahotsava, Veda Sammelans, Shrouta-Yajna, Vedic Workshops, Veda Antyakshari, Veda Parayana, and other such Vedic events promoting the objectives of the Pratishtan like promotion of meaningful activities on Veda. It does not, however, include any Smarta Karma-kanda, Puja and Vrata.
- 2.11 **“Central Vigilance Commission”** means Central Vigilance Commission as established by Parliament of India.
- 2.12 **“Promotion of Vedas”** refers to, the entire set of activities not limited to these but includes activities like -
  - (a) Preservation of oral tradition of Vedas by affiliating more number of Veda Teachers (In Pathashalas & Guru-Shishya Parampara Units) by CSR support
  - (b) Organising the Veda Swadhyaya and Veda Parayana including Ghana Parayana (c) spreading awareness about Vedic knowledge, Vedic tradition and parampara amongst the general public.
  - (d) Making Vedas and Vedic knowledge widely accessible to the general public through various activities in every state preferably in tribal belts, border areas and NER etc.
  - (e) Reaching to the maximum number of people for true and higher potential, or a deeper level of spirituality and understanding about life in accordance with Vedic thought.
  - (f) Establishing the utility and wisdom of the Vedas in the modern world through the test of acceptable standards and
  - (g) Any other activity which promotes any or all of the above activities on Vedas and Vedic knowledge

**3. OBJECTIVES OF THE CSR-FUND**

The Fund shall be utilised for fulfilling the following objectives:

- 3.1 To provide suitable assistance to outstanding Trust/Voluntary Organisations on priority basis to open a Veda Pathashala as per the approved parameters of Pathashala Scheme of MSRVVP and to approved number of students maintained by such Veda Pathshala.
- 3.2 To provide suitable assistance to outstanding Veda Pathee on priority basis to open a Veda Guru Shishya Parampara (GSP) Unit as per the approved parameters of GSP

Scheme of MSRVVP and to approved number of students maintained by such Veda Guru.

- 3.3 To open part-time Veda Vidyalaya for Morning or Evening classes for the benefit of common man to learn Vedic recitation.
- 3.4 To provide infrastructural support to GSP Units/ Veda Pathashalas for Library, Computer/Books/CDs/DVDs/Modernisation etc
- 3.5 To provide support to the Veda Swadhyaya, Veda Sabha and Veda Parayana including Ghana Parayana as per the approved scheme for the preservation of oral tradition of Vedas/Vedavidya.
- 3.6 To conduct Veda Olympiads for school students from 6<sup>th</sup> to 9<sup>th</sup> or up to 12<sup>th</sup> Standard of State Boards and CBSE to make the students aware of the Vedic knowledge and its utility.
- 3.7 To organize large public gatherings for discourses on Veda for common man to make Vedas popular and Vedic knowledge more accessible to the general public through various activities.
- 3.8 To reach the maximum number of people for true and higher potential, or a deeper level of spirituality and understanding about life by short term Veda learning courses
- 3.9 Any other good and bona fide purpose to be decided and recorded under resolution by the CSR Fund Management Committee.

#### 4. ELIGIBILITY TO RECEIVE FINANCIAL ASSISTANCE OUT OF FUND

Following categories of persons/entities are eligible to receive Financial Assistance out of CSR fund

- 4.1 Any citizen of India who is a Samhita Pathee/Kramapathee/Ghanapathee.
- 4.2 Any citizen of India who is a Veda Pathee of extraordinary standing.
- 4.3 Any citizen of India who is engaged in activities for promotion of Vedas
- 4.4 Any Trust/ Society promoting Veda learning activities, having registration with Govt of India stipulated agencies like Darpan Portal and has ID, PAN, TAN etc as applicable

#### 5. Composition of the CSR Fund Management Committee

The Fund shall be managed by a CSR Fund Management Committee consisting of the following members; namely

1.	Secretary, MSRVVP	Chairperson
2.	Nominee of Governing Council	Member
3.	Nominee of the Finance Committee	Member
4.	Two nominees of CSR Funding Companies (On two-yearly rotation basis in Alphabetical order of the company name)	Members
5.	DDO or Officer-in-charge of Finance-MSRVVP	Member-Secretary & Co-ordinator

**6. Quorum for meetings of CSR Fund Management Committee**

6.1 Not less than three members of the CSR Fund Management Committee shall form quorum for any meeting.

6.2 Every grant of financial assistance shall be determined by consensus. However, in case of difference, majority votes of the members present and voting on a matter shall prevail. In the event of a tie, the chairperson shall have an additional casting vote.

**7. Conduct of business for meetings of CSR Fund Management Committee**

7.1 The CSR Fund Management Committee may function notwithstanding any vacancy in its membership but the quorum shall have to be adhered to.

7.2 The unspent balance of the Fund will be invested in FDRs in nationalised banks or in any other govt. instruments in accordance with the guidelines of the Govt. of India on investment of fund by the autonomous bodies.

7.3. The CSR Fund Management Committee must exercise due diligence and verification process while deciding each case for grant of CSR fund.

7.4 The CSR Fund Management Committee shall adhere to the rules, regulations, resolutions and any other instructions of financial propriety applicable to autonomous bodies keeping in view the sanctity of the CSR fund created for promotion of the Vedas.

7.5 The Governing Council of MSRVVP may make new rules, add new provisions in the rules or repeal any of the existing rules for effective regulation, management or for any other purpose connected with execution of the CSR Fund.

**8. Duration of Membership of CSR Fund Management Committee**

8.1 A nominated member of the CSR Fund Management Committee shall be a member for a period of 3 years from the date of his/her nomination unless re-nominated on expiry of that period.

8.2 A member of the CSR Fund Management Committee shall cease to be a member on his/her death, resignation or on becoming insolvent or of unsound mind or conviction or criminal offence involving moral turpitude or proven conflict of interest in the sanction or management of the fund.

8.3 The resignation of membership shall be tendered to the Chairperson of the CSR Fund Management Committee and shall become effective from the date of its acceptance or on expiry of 30 days after the date of resignation whichever is earlier.

**9. Vacancies in the CSR Fund Management Committee**

Vacancies in the CSR Fund Management Committees shall be filled in by the Governing Council as and when they arise.

**10. Meetings of the CSR Fund Management Committee**

10.1 The CSR Fund Management Committee shall meet as often as it is necessary to do so for transaction of business of the CSR Fund but it shall meet at least twice a year.

10.2 Any letter received from funding Company/Companies with regard to the CSR Fund shall be brought to the notice of the Members of the CSR Fund Management Committee in its next meeting.

10.3 In the normal circumstances, all members of the CSR Fund Management Committee shall be given at least **seven days notice** for a meeting specifying the date, time and place of the meeting and the Agenda of business to be transacted therein.

10.4 No such notice shall be necessary when in the opinion of the Chairman, business of emergent nature has to be transacted by the Committee. In such cases, the Chairman of the CSR Fund Management Committee may consult the members over telephone and record their opinion /get approval on the agenda through e-mail and record the discussion in the minutes.

**11. Quantum of Financial Assistance**

Following shall be the quantum of assistance proposed as on date of commencement of the Fund.

Sl No	Activity	Financial Assistance
1.	For GSP Unit with 10 students	Total annual allocation - Rs.1 crore, subject to availability of fund.  @ Rs.20,000/- per Veda teacher per month  @3000/-per month for students' maintenance and Rs.1000/- directly to students' joint A/C with parents
2.	For Veda Pathashala (Two Veda teachers and two modern subject teachers and 10% over head for the maintenance of Veda Pathashala)	Total annual allocation - Rs.1 crore, subject to availability of fund.  @ Rs.22,000/- for Veda teachers & Rs 16,000/- for modern subject teachers per head per month.  @3000/- for students' maintenance and Rs.1000/- directly to students' joint A/C with parents
3.	Morning/Evening Veda Vidyalaya	Total annual allocation - Rs.1 crore, subject to availability of fund.  Duration of class: Monthly 40 hours  Honorarium of @ Rs.10,000/- per Veda teacher per month  Rs.12000/-annual contingency.

4.	National Veda Sabha/ National Veda Sammelan	<p>Total annual allocation - Rs.30 lakhs, subject to availability of fund.</p> <p>Maximum of Rs. 10 lakhs per programme. Expenditure heads as per MSRVVP Scheme</p>
5.	Regional Veda Sabha/ Regional Veda Sammelan	<p>Total annual allocation - Rs.24 lakhs, subject to availability of fund.</p> <p>Maximum of Rs. 8 lakhs per programme. Expenditure heads as per MSRVVP Scheme</p>
6.	All India Veda Conference/All India Veda Mahotsava with 500 participants for three days	<p>Total annual allocation - Rs.30 lakhs, subject to availability of fund.</p> <p>Maximum of Rs. 10 lakhs per programme. Expenditure heads as per MSRVVP Scheme</p>
7.	<p>Veda Paraayana</p> <p>(1) 4 Veda Pathees in a group for a Rig Veda Parayana for 7 days</p> <p>(2) 4 Veda Pathees in a group for a Shukla Yajur Veda Parayana for 5 days</p> <p>(3) 4 Veda Pathees in a group for a Krishna Yajur Veda Parayana for 6 days</p> <p>(4) 4 Veda Pathees in a group for a Sama and Atharva Veda Parayana for 5 days</p>	<p>Total annual allocation - Rs.30 lakhs, subject to availability of fund.</p> <p>Rs.3000/- per day per Veda Pathee + Rs. 25 thousand for other expenditure per programme.</p>
8.	<p>Veda Ghana Parayana/Veda Vikriti Patha Parayana</p> <p>Days will be doubled.</p>	<p>Total annual allocation - Rs.30 lakhs, subject to availability of fund.</p> <p>Amount for other expenditure will be doubled.</p>
9.	Veda Olympiads for School Children from 6 <sup>th</sup> to 9 <sup>th</sup> Standard/upto 12 <sup>th</sup> Standard	<p>Total annual allocation - Rs.10 lakhs, subject to availability of fund.</p> <p>Prize-</p> <p>Rs. 1500/- to those who score 95+ marks with a medal</p>

		Rs. 1000/- to those who score 90+ marks with a medal Rs. 500/- to those who score 85+ marks with a medal Participation certificate to those who pass
10.	Vasanta-Veda Shibiram	Total annual allocation - Rs.20 lakhs, subject to availability of fund. Rs. 4,00,000/- per Shibiram for honorarium, food and accommodation expenses for 30-40 student participants.
11.	Vasanta-Veda-Sanskriti Shibiram	Total annual allocation - Rs.20 lakhs, subject to availability of fund. Rs. 4,00,000/- per Shibiram for honorarium, food and accommodation expenses for 30-40 student participants.
12.	Veda workshop/Veda Seminar/ Regional Veda Mahotsava/ Shrauta-Yajna,	Total annual allocation - Rs.24 lakhs, subject to availability of fund. Rs. 8,00,000/- per programme for 80-100 participants towards expenses on food/accommodation and travel.
13.	Annual traditional Veda by-heart Recitation for 9 days/9 traditional branches and conferment of Veda titles with a Cash prize to be selected by a Board of Eminent Veda Pathis for upcoming Veda Pathis, below the age of 25	Total annual allocation - Rs.30 lakhs, subject to availability of fund. 18 lakhs for Prizes and 12 lakhs for arrangement.

The financial assistance under various clauses as above may be re-visited by the CSR Fund Management Committee, subject to availability of funds.

**12. Sanctioning powers to the CSR Fund Management Committee in special circumstances:**

The CSR Fund Management Committee may sanction the assistance, in deserving cases, even to those who have not applied but are doing extremely good work for the propagation of Vedas, referred to the CSR Fund Management Committee by the Hon'ble HRM and Chairman of the Pratishtan or by any of the CSR funding sources. Circumstances for each case and reasons for sanction are to be recorded in writing by the CSR Fund Management Committee. Under this clause, the maximum amount shall not exceed 20% of the total contributions received in that financial year..

**13. Disclosure of information about assistance received from other resources:**

All applicants shall have to furnish information about financial assistance received in kind or cash from any other source/Govt Sources on affidavit.

**PROCEDURE FOR GRANT OF ASSISTANCE****14. Application to CSR Fund Management Committee**

A prescribed application for financial assistance from the CSR Fund shall be addressed to the Secretary, MSRVVP in the prescribed Performa by the persons/entities eligible to receive assistance with the authentication/forwarding from Hon'ble Members of FC/GC/GIA/CSR Fund Management Committee/Vice-Chancellors of Sanskrit Universities/Heads of Dept of Veda/ Sanskrit of Indian University/ Pathashala/ Officers of Pratishtan/ eminent persons/Funding Companies.

**15. Consideration of application**

All applications for financial assistance from the Fund shall be considered by the CSR Fund Management Committee and where the CSR Fund Management Committee is not meeting in near future for any reason, the applications so received may be considered and disposed of by circulation.

**16. Power to stop grant**

The Chairperson of the CSR Fund Management Committee may, if he/she thinks it necessary to do so and for reasons to be recorded in writing, in good faith can withhold or reduce any undisbursed grant made under this Scheme.

**17. Management of the fund**

The Fund shall be managed strictly as per directions and guidelines issued by the Governing Council/Govt. of India and any statutory provision in this regard and also in compliance of guidelines issued by the Central Vigilance Commission/Income Tax and other authorities. However, CSR Fund must be utilized only for the promotion of the Vedas.

The MSRVVP shall provide rent-free office space and supporting infrastructure to manage CSR funded activities, which are within the promotional activities of Vedas.

**18. Monitoring and inquiry on the fund**

The Ministry of Human Resource Development, Govt of India shall have the power to order inquiry into the management of fund and issue any direction and thereon.

**19. Chairman – powers and functions**

Chairman of the CSR Fund Management Committee shall have the power necessary to manage, disburse and regulate the fund in accordance with the resolutions adopted by the Fund Management Committee to fulfill the objectives of the Fund and in compliance of the relevant statutory provisions and Government of India Instructions including those issued by



the Central Vigilance Commission. In cases where the Chairman of the Committee deems it fit to do so, for reasons to be recorded in writing, may consider an application in emergency and release 50% of the admissible amount immediately and obtain approval of the Committee by circulation or in its next meeting.

**20. Co-ordinator – powers and functions**

All resolutions shall be in the name of the CSR Fund Management Committee and shall be signed by Secretary, MSRVVP as Chairman, CSR Fund Management Committee and Co-ordinator of the CSR Fund Management Committee.

It shall be the duty of the Co-ordinator to:

- 1) Keep regular accounts of the CSR Fund as per Govt of India accounting norms,
- 2) Process the cases approved by the Chairman/CSR Fund Management Committee for release of funds to the recipients as per procedure
- 3) Be the custodian of all records of the CSR Fund Management Committee,
- 4) Conduct the official correspondence on behalf of the CSR Fund Management Committee with prior approval of the Chairman,
- 5) Issue all notices for convening the meetings of the CSR Fund Management Committee with prior approval of the Chairman,
- 6) Keep minutes of all meetings of the CSR Fund Management Committee,
- 7) Submit the Account books of CSR Fund for audit as approved by GC
- 8) Prepare Income and Expenditure account of the fund for each financial year and place it before the CSR Fund Management Committee/ FC/GC.
- 9) Discharge any other functions as may be assigned to him by the CSR Fund Management Committee/Chairman from time to time.

The co-ordinator shall be paid Rs.2000/- per month as Honorarium out of the CSR fund for this additional work.

**21. Deposits & Assets of the fund**

21.1 The CSR Fund shall include contributions received from various Companies as well as other Voluntary donations and endowments from any other non-govt.-sources for the purpose of this fund. Contributions shall be received in the name of MSRVVP-CSR Fund only after prior approval of the Chairman/CSR Fund Management Committee and disclosure of the full particulars of the donor in the prescribed form, available in the website of MSRVVP. No Grant-in-aid from MHRD will form part of this fund.

21.2 All financial contributions to the CSR Fund shall be accepted either through digital measures or through Demand Draft/Crossed Cheque and shall be credited to the MSRVVP- CSR Fund A/C, to be opened in a Nationalised Bank, which shall be jointly operated by Secretary, MSRVVP and DDO or an authorized officer of the MSRVVP.

**22. Allocation of fund**

The CSR Fund Management Committee may determine, with the approval of the Governing Council, the proportion of total fund available at its disposal for sanction and release for various purposes of this scheme in a particular year. However, for developing a corpus of the CSR Fund, initially for two years (extendable up to five years, depending upon the amount available in the fund), only 50% of the annual contributions received shall be sanctioned and disbursed for various puposes under these rules. Thereafter, with the approval of the Governing Council and the CSR Fund Management Committee, the interest earned on the CSR Fund in the preceding year shall be the maximum amount available for sanction and release in the succeeding year for the purpose of the fund.

### **23. Withdrawal of funds**

23.1 Any withdrawal from the accounts of the CSR Fund shall be made under joint signature of Secretary, MSRVVP and DDO/Authorised Officer of MSRVVP as approved by the Fund Management Committee.

23.2 The monies out of the Fund that are not required to be used immediately for the objects of the CSR Fund be kept in FDRs for the time being, till the GC/Fund Management Committee decides about investment of the surplus money.

23.3 All payments from the fund shall be made through Digital measures like PFMS/RTGS only.

### **24. Engagement of staff for CSR Supported activities under MSRVVP**

24.1 The CSR Fund Management Committee may temporarily engage one DEO/Clerk with educational qualification of graduation on outsourcing basis to keep the records, files, and to do correspondence etc of the fund and a support staff like MTS as it may consider necessary for the discharge of its functions effectively.

24.2 On expansion of the Fund and its activities, engagement of additional personnel will be assessed and considered by the Fund Management Committee.

24.3 Persons engaged, as referred to above, shall be on contractual basis and shall be paid remuneration from out of the CSR Fund at the rate applicable to similarly placed contractual employees of MSRVVP or at the rate approved by the Fund Management Committee.

24.4 The Veda Pathees who are provided with financial assistance out of CSR Fund either directly in their name or through the Trust/Society etc. shall neither be the employees of the MSRVVP nor of the Govt of India.

24.5 Financial assistance will be provided on year to year basis, subject to availability of CSR Fund, without any commitment for continuity, and also based on satisfactory assessment and fulfillment of the objectives of the Fund.

### **25. Administrative expenses**

The administrative expenses incurred by the CSR Fund Management Committee such as expenditure incurred on salaries and allowances, traveling allowance and daily allowance of personnel and traveling allowance and daily allowance of the members and also expenses incurred for generation of awareness about the CSR Fund shall be legitimate charge on the CSR Fund.

### **26. Remuneration to members**

No remuneration shall be paid to any of the members of the CSR Fund Management Committee except traveling and daily allowance at rates applicable under Govt of India instructions.

### **27. Accounts and audit of Fund**

Regular accounts of income and expenditure of the CSR Fund shall be audited by a certified Chartered Accountant or any other authorities like CAG as may be appointed by the MSRVVP. Any audit fee payable and its incidental expenses shall be legitimate expenditure of the CSR fund.

An annual report on the working of the CSR Fund shall be prepared by the Member-Secretary & Co-ordinator of the Fund, to be certified by the Chartered Accountant/Auditor, and after approval of the CSR Fund Management Committee, shall be presented to the Governing Council of MSRVVP and to the Government of India after incorporating it in to the Annual Report and Annual Accounts of the MSRVVP.

### **29. Relaxation clause**

29.1 In the event of any urgent Vedic promotional activity as per clause 11 above, Secretary, MSRVVP and Chairman of the CSR Fund Management Committee, if he deems it fit to do so, may recommend relaxation of any of the conditions to the Fund Management Committee and shall obtain approval by circulation and can order sanction and release of financial assistance.

29.2 The sanction accorded as above shall be placed as reporting item in the subsequent meetings of the CSR Fund Management Committee.

### **30. Acknowledgement of CSR Fund Sources**

The Trust/VO/Pathashala/GSP Unit/Programme organizing Institute shall acknowledge the names of sources of CSR Funding as per the directions of MSRVVP.

### **31. Prohibition of utilization of CSR-Fund to non-Vedic Activities**

The CSR Fund shall not be utilized for any purpose which does not fulfill the objectives for creation of the fund.

### **32. Dissolution of CSR Fund**

In the event of any legal necessity or decision of the Govt. of India to dissolve the CSR Fund, the amount at credit of CSR Fund shall be transferred to MSRVVP Corpus so that objectives for which this fund was established shall continue as per the directions of MSRVVP.

\*\*\*\*\*